देश का अखबार सबसे तेज रफ्तार

नेशनल दुनिया

दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से प्रकाशित

नई दिल्ली
गुरुवार, 04 सितंबर, 2014

उत्साह — एक लाख मेगावाट बिजली की जा सकती है उत्पादित, पांच साल में पूरा हो जाएगा लक्ष्य

वायु से बिजली बनाने का क्रेज बढ़ा, सरकार देगी टैक्स में छूट

बिशन पपोला

नोएडा। आने वाले समय में बिजली संकट से निजात पाना आसान होगा क्योंकि विदेशों की तर्ज पर देश में हवा से बिजली पैदा करने का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है और सरकार ने भी ऐसी कंपनियों को 80 फीसदी टैक्स फ्री करने का ऐलान किया है। जिसकी वजह से कंपनियां इस क्षेत्र में रुचि दिखा रही हैं। इसी के मद्देनजर विंड पावर कंपनी ने देश की सबसे बड़ी टरबाइन (पी-डब्ल्यू-100) प्री-लांच की है, इससे प्रतिदिन 2.5 मेगावाट बिजली उत्पादित की जा सकती है, जिसे ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में प्रदर्शित किया गया है।

देश में अभी हवा से 20 हजार मेगावाट बिजली उत्पादित की जा रही है जबकि, एक लाख मेगावाट बिजली उत्पादित की जा सकती है हालांकि, यह लक्ष्य आगामी पांच साल में पूरा किया जा सकता है। विंड कंपनी के प्रबंध निदेशक राज कुमार यादव ने बताया सरकार के मानकों के अनुसार न्यूनतम 10 फीसदी बिजली हवा से उत्पादित की जा सकती है। ऐसे में देश में करीब एक लाख मेगावाट बिजली हवा से उत्पादित की जा सकती है। जो टरबाइन लांच की गई है वह प्रतिदिन 2.5 मेगावाट बिजली उत्पादित करेगी। देश में फिलहाल, सबसे ज्यादा पवन ऊर्जा गुजरात में उत्पादित की जा रही है। इसके अलावा तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी हवा से बिजली उत्पादित की जा रही है और जिन जगहों में आसानी से बिजली उत्पादित की जा सकती है उनमें समुद्री इलाकों के अलावा हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, नेपाल बॉर्डर से जुड़े इलाके आदि मुख्य रूप से शामिल हैं।

इस क्षेत्र के विशेषज्ञ पारसनाथ ने बताया कि इन क्षेत्रों में हवा बेहतर रहती है। उन्होंने बताया कि आठ मीटर प्रति सेकेंड के हिसाब से चलने वाली हवा से बिजली आसानी से उत्पादित की जा सकती है।

वह मशीन, जिससे हवा से उत्पादित की जाएगी बिजली।

पीएम के दौरे से जापानी कारोबारी उत्साहित

माहौल

- निवेश बढ़ाने के प्रति दिखे उत्साहित
- इंडिया एक्सपो में आयोजित सम्मेलन में जुटे कारोबारी

नोएडा (नेटू)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जापान दौरे से भारत में कारोबार कर रहे जापानी कारोबारी उत्साहित नजर आ रहे हैं। उन्होंने भविष्य में निवेश को बढ़ावा देने के प्रति अपनी दिलचस्पी व्यक्त की। जी हां! यूबीएम इंडिया ने रीन्यूबल एनर्जी इंडिया (आरईआई) प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के दौरान जापानी कारोबारियों ने इस तरह की इच्छा जताई।

उन्होंने भारत को कारोबार के लिए अनुकूल बताया। प्रदर्शनी और सम्मेलन ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित किया गया है, हालांकि इस दौरान जापान के अलावा अन्य देशों के कारोबारी मौजूद रहे और प्रदर्शनी में जापान के अतिरिक्त अन्य देशों के भी पैविलियन हैं जिनमें जापान, इटली, यूएसए, ताईवान, कनाडा, बेल्जियम और कैटालोनिया तथा यूरोपियन पैविलियन शामिल हैं। इस दौरान सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा एवं जैव ऊर्जा से संबंधित उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं।

यूबीएम इंडिया के प्रबंध निदेशक जोजी जॉर्ज ने बताया कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य रीन्यूबल एनर्जी (नव्यकरणी ऊर्जा) उद्योग जगत में कारोबार के स्थायी अवसरों के विकास के द्वारा भारतीय नव्यकरणी ऊर्जा क्षेत्र के विकास की गति में तेजी लाना है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में 35 देशों से 500 प्रदर्शक, 12 हजार कारोबारी विजीटर और एक हजार प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित सम्मेलन में उपस्थित विदेशी कारोबारी।